Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 25 September 2024

Dainik Jagran
Page - 07

संगोष्ठी में हिस्सा लेने आए इतिहासकार डा. केके मोहम्मद ने जागरण से की बातचीत

कृष्ण जन्मभूमि व ज्ञानवापी पर दावा छोड़ दें मुस्लिम

डा. राकेश राय • जागरण

गोरखपुर: अयोध्या के विवादित ढांचे के नीचे मंदिर के अवशेष का पुरातात्विक प्रमाण देने वाले इतिहासकार पद्मश्री डा. केके मोहम्मद का कहना है कि मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी के ज्ञानवापी मस्जिद पर पूरी तरह हिंदुओं का अधिकार है। मुस्लिम समाज के लोगों को इसपर दावा छोड़ देना चाहिए। इन स्थलों पर मस्जिद से पहले मंदिर होने के पुख्ता प्रमाण आर्कियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया के पास हैं। आइसीएचआर (इंडियन काउंसिल आफ हिस्टोरिकल रिसर्च) की ओर से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लेने पहुंचे डा.मोहम्मद ने जागरण से विशेष बातचीत में मंदिर-मस्जिद प्रकरण पर खुलकर बात की।

उन्होंने कहा कि देश में अमन-चैन कायम रखने के लिए हिंदुओं को भी चाहिए कि इन तीन प्रमुख धर्म स्थलों के अलावा अन्य मंदिरों को लेकर कोई मांग और विवाद न पैदा करें। उन्होंने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी के धर्मस्थलों को उसी तरह कहीं नहीं बसाया जा सकता है, जैसे मक्का-मदीना की मस्जिद कहीं और नहीं बनाई जा सकती। विवाद खत्म करने के लिए उन्होंने दोनों समुदायों को आगे आने की अपील की।

डा. मोहम्मद ने कहा कि आर्कियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया में अपनी पूरी नौकरी के दौरान उन्होंने देश के कई प्रमुख मंदिरों का पुरातात्विक सर्वेक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पाया कि मध्यकालीन भारत में मुस्लिम शासकों की शह पर बहुत बड़ी संख्या में मंदिर तोड़े गए। कई स्थानों पर इसके साक्ष्य आज भी मौजूद हैं, ऐसे स्थान हिंदुओं की विरासत हैं और उन्हें मिलना भी चाहिए। इन परिस्थितियों में जब आज के मुस्लिम उसके पक्ष में आते हैं, तो यह ठीक नहीं है, क्योंकि इसमें उनकी कोई भूमिका भी नहीं है। ऐसे स्थानों का पुरातात्विक प्रमाण देकर मैं मुस्लिम शासकों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ किए गए खराब बर्ताव का प्रायश्चित भी कर रहा हूं। इस क्रम में उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के बटेश्वर में भूकंप की वजह से जमींदोज हुए करीब 200 मंदिरों में उन्होंने 80 मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया।

भ्रमण के बाद गीताप्रेस के कार्यों की जमकर की सराहना

डा. केके मोहम्मद ने कहा कि बिहार के पटना में सेवा के दौरान उनका कई बार गोरखपुर आना हुआ था, लेकिन कभी गीताप्रेस का भ्रमण नहीं कर पाए थे। इस बार की यात्रा में यह इच्छा पूरी हुई। इसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

गीताप्रेस के कार्यों की जमकर सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा स्थान है, जिसने हिंदू पुनरुद्धार में अहम योगदान दिया है। एक ऐसी संस्था जो बिना किसी वित्तीय सहयोग के राष्ट्रव्यापी अभियान को निरंतर 100 वर्षों से आगे बढ़ा रही है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

डा. केके मोहम्मद•

अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा कुशीनगर: डा. मोहम्मद ने बताया कि अपनी इस गोरखपुर यात्रा के दौरान उन्होंने कुशीनगर का भ्रमण किया और यह पाया जलभराव वाला क्षेत्र होने की वजह से उसका अस्तित्व खतरे में है। यही स्थिति रही तो अगले 500 वर्ष में कुशीनगर के सभी पुरातात्विक साक्ष्य समाप्त हो जाएंगे। अगर कुशीनगर के महत्व को बचाए रखना है, तो केंद्र व प्रदेश सरकार को इसके लिए मिलकर कार्य करना होगा।

यह और अन्य खबरें देखें
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

परीक्षा फार्म भरने के लिए 27 से खुलेगा पोर्टल

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली सत्र 2024-25 के अंतर्गत स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा सहित सभी प्रोग्राम के विषम सेमेस्टर की संस्थागत परीक्षाएं नवंबर में प्रस्तावित हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि इस परीक्षा के लिए आनलाइन परीक्षा फार्म भरने के लिए पोर्टल 27 सितंबर से खोला जाएगा। प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर सभी सेमेस्टर के विद्यार्थी सात अक्टूबर तक परीक्षा फार्म भर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक ने विद्यार्थियों से कहा है कि वह परीक्षा फार्म में माइनर व वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का विकल्प भरना आवश्यक रूप से सुनिश्चित करेंगे। विश्वविद्यालय परिसर के वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन छात्रों को स्वयं करना होगा और संबद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संबंधित महाविद्यालयों के लागिन-पासवर्ड से इसे पूरित किया जा सकेगा।

साप्ताहिक शोध-संवाद शुरू करेगा हिंदी विभाग

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग 'साप्ताहिक शोध संवाद' आरंभ करने जा रहा है। यह कार्यक्रम सप्ताह के प्रत्येक अंतिम कार्य-दिवस को आयोजित किया जाएगा। इसमें हिंदी विभाग के शोधार्थियों समेत परास्नातक के विद्यार्थी भी शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश कुमार गुप्त ने कहा कि ज्ञान के उत्पादन, परिमार्जन व परिष्करण में वाद-विवाद व संवाद की परंपरा पुरानी है। मौजूदा समय में शोध की गुणवत्ता को बनाएं रखना अत्यंत आवश्यक है। हिंदी विभाग की यह पहल सीधे तौर पर शोध की गुणवत्ता के साथ ही उसकी दशा व दिशा को भी तय करेगी। इस संवाद में शामिल प्रत्येक प्रतिभागी अपने अध्ययन में अद्यतन बनेगा। विभाग व विश्वविद्यालय अकादमिक वातावरण इससे सुदृढ़ होगा। विद्यार्थियों के अध्ययन-चिंतन में गहराई आएगी। तार्किक व प्रतिस्पर्धात्मक स्पंदन बढ़ेगा। इस संवाद योजना की विशेष बात यह होगी कि इसमें शोधार्थी अपने विषय का चयन स्वयं करेंगे. उनके अपने शोध-विषय या अभिरुचि पर केंद्रित प्रस्तुति ही संवाद का आधार होगा।

Amar Ujala
Page - 08

फुटबॉलः डीडीयू और सेडिका के बीच रोमांचक मुकाबला...गोलरहित ड्रॉ

सेंट एंड्रयूज में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में सेंट एंड्रयूज पीजी कॉलेज और डीडीयू की टीम के खिलाड़ी। संवाद

गोरखपुर। सेंट एंड्रयूज कॉलेज में 125वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतर महाविद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय और सेंट एंड्रयूज कॉलेज (सेडिका) के बीच मैच हुआ।

रोमांचक मुकाबले में समय पूरा होने तक कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं रही और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लीग मैच शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. जेवियर मारिया राज और डॉ. जिलाजीत चौधरी की देख-रेख में संपन्न हुआ।

मैच रेफरी के रूप में गोरखपुर फुटबॉल एसोसिएशन की तरफ से संजय साहनी, विकास कुमार, मो. नसीम और मेहताब अहमद ने भूमिका निभाई। मीडिया प्रभारी प्रो. सुशील कुमार राय ने बताया कि बुधवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच गोरखपुर विश्वविद्यालय और सेंट एंड्रयूज कॉलेज के बीच सुबह 11 बजे से खेला जाएगा। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि आरएसओ आले हैदर रहेंगे। संवाद

सात तक करें वैकल्पिक व माइनर विषयों का चयन

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में स्नातक, परास्नातक व अन्य पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं नवंबर में प्रस्तावित हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य कक्षाओं के संबंधित छात्र-छात्राओं के लिए 27 सितंबर से सात अक्तूबर तक पोर्टल खोला जा रहा है। संस्थागत व बैक पेपर के छात्र इस अवधि में ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म में वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन कर फॉर्म पूरित कर लें। कैंपस के विद्यार्थियों को वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन खुद करना होगा। कॉलेजों के छात्रों का फॉर्म वहां के लॉग इन पासवर्ड से पूरित किया जाएगा। संवाद

हिंदी विभाग में होगा साप्ताहिक शोध संवाद

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 'साप्ताहिक शोध संवाद' का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक सप्ताह के अंतिम कार्य दिवस को आयोजित होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त ने बताया कि इसमें विभागीय शोधार्थी और पीजी के विद्यार्थी भी शामिल होंगे।

शोध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इससे अकादमिक वातावरण सुदृढ़ होगा। इसमें शोधार्थी अपने विषय का चयन स्वयं करेंगे। उनके अपने शोध-विषय या अभिरुचि पर केंद्रित प्रस्तुति ही संवाद का आधार होगा। इससे विद्यार्थियों के अध्ययन-चिंतन में गहराई आएगी। तार्किक व प्रतिस्पर्धात्मक स्पंदन बढ़ेगा। विभाग का सांस्कृतिक वातावरण समृद्ध होगा। संवाद

Hindustan
Page - 05, 06

7 तक करें वैकल्पिक व माइनर विषयों का चयन

गोरखपुर,निज संवाददाता। डीडीयू और सम्बद्ध कॉलेजों में यूजी, पीजी व अन्य पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं नवम्बर में प्रस्तावित हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य कक्षाओं के सम्बंधित छात्र-छात्राओं के लिए 27 सितंबर से 7 अक्तूबर तक पोर्टल खोला जा रहा है। संस्थागत व बैक पेपर के छात्र इस अवधि में ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म में वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन कर फॉर्म पूरित कर लें।

कैंपस के विद्यार्थियों को वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन खुद करना होगा। कॉलेजों के छात्रों का फॉर्म वहां के लागिन पासवर्ड से पूरित किया जाएगा।

विद्यार्थियों को बताई स्टार्टअप की बारीकियां

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर के व्यवसाय प्रशासन विभाग एवं आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप और उद्यमिता से जुड़ी चुनौतियों की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल की डॉ रचिता कश्यप ने बारीकियां बताई। इस अवसर पर प्रो. श्रीवर्धन पाठक, प्रो. मनीष श्रीवास्तव, सिमरन उपाध्याय, डॉ शेफाली जायसवाल, डॉ सुशील सिंह, तेजस्वी दुबे, सुरुचि श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

डीडीयू और सेंट एंड्रयूज में खिताबी भिड़ंत आज

फुटबॉल

गोरखपुर, निज संवाददाता। सेंट एंड्रयूज कॉलेज के 125वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतर महाविद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला बुधवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय और मेजबान सेडिका के बीच 11 बजे से खेला जाएगा। प्रतियोगिता का अंतिम लीग मैच डीडीयू और सेंट एंड्रयूज कॉलेज के बीच मंगलवार को खेला गया। यह मैच गोलरहित ड्रा पर समाप्त हुआ।

प्रतियोगिता के छठवें मैच में दोनों टीमों के बीच जोरदार संघर्ष देखा गया। अंतिम मिनट तक दोनों टीमों के खिलाड़ी गोल दागने के लिए जद्दोजहद करते रहे लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इस प्रतियोगिता में डीडीयू और सेडिका की टीमें अविजीत रही हैं। इसलिए दोनों ही टीमें फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। प्रतियोगिता में चार टीमें प्रतिभाग कर रही थीं। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज की टीम तीसरे और महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ की टीम चौथे स्थान पर रहीं। सेडिका के मीडिया प्रभारी प्रो. सुशील राय ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर होंगे।

सेडिका में गोविवि और सेंट एण्ड्रयूज डिग्री कालेज के बीच खेला गया फुटबाल मैच

नेशनल स्कूल फुटबॉल चैंपियनशिप में चमके रेहान शेख

गोरखपुर। सीआईएससीई द्वारा केरल में 18 से 21 सितंबर तक आयोजित अंडर 19 नेशनल स्कूल फुटबॉल चैंपियनशिप में यूपी की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसमें गोरखपुर के रेहान शेख का भी अहम योगदान रहा। उनके इस प्रदर्शन पर कोच संजोग पासवान, मेट्रोपॉलिटन स्कूल की प्रधानाचार्य संध्या गंभीर, एनआईएस आनंद सिंह, एनपी गौड़, हमजा खान आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

Amar Ujala Select Page -02

हिंदी विभाग में होगा साप्ताहिक शोध संवाद

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 'साप्ताहिक शोध संवाद' का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक सप्ताह के अंतिम कार्य दिवस को आयोजित होगा।

विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त ने बताया कि इसमें विभागीय शोधार्थी और पीजी के विद्यार्थी भी शामिल होंगे। शोध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इससे अकादमिक वातावरण सुदृढ़ होगा।

इसमें शोधार्थी अपने विषय का चयन स्वयं करेंगे। उनके अपने शोध-विषय या अभिरुचि पर केंद्रित प्रस्तुति ही संवाद का आधार होगा। इससे विद्यार्थियों के अध्ययन-चिंतन में गहराई आएगी। तार्किक व प्रतिस्पर्धात्मक स्पंदन बढ़ेगा। विभाग का सांस्कृतिक वातावरण समृद्ध होगा।

फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को सेंट एंड्रयूज पीजी कॉलेज और गोरखपुर विश्वविद्यालय की टीम के बीच खेला गया मैच।

फुटबॉल : ड्रॉ रहा डीडीयू और सेडिका के बीच रोमांचक मुकाबला

गोरखपुर। सेंट एंड्रयूज कॉलेज में 125वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतर महाविद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय और सेंट एंड्रयूज कॉलेज (सेडिका) के बीच मैच हुआ। रोमांचक मुकाबले में समय पूरा होने तक कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं रही और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

लीग मैच शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. जेवियर मारिया राज और डॉ. जिलाजीत चौधरी की देख-रेख में संपन्न हुआ। मैच रेफरी के रूप में गोरखपुर फुटबॉल एसोसिएशन की तरफ से संजय साहनी, विकास कुमार, मो. नसीम और मेहताब अहमद ने भूमिका निभाई। मीडिया प्रभारी प्रो. सुशील कुमार राय ने बताया कि बुधवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच गोरखपुर विश्वविद्यालय और सेंट एंड्रयूज कॉलेज के बीच सुबह 11 बजे से खेला जाएगा। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि आरएसओ आले हैदर रहेंगे।

Rashtriya Sahara Page -07,09

परीक्षा फार्म भरने को 27 से खुल जाएगा पोर्टल

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि एवं संबद्ध महाविद्यालयों की स्नातक एवं स्नातकोत्तर सही सभी पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं नवंबर माह में आयोजित की जाएंगी। जिसके अन्तर्गत छात्रों को परीक्षा फार्म भरने के लिए विश्वविद्यालय का पोर्टल 27 सितंबर से 07 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली सत्र 2024-25 के अन्तर्गत स्नातक एवं परास्नातक तथा डिप्लोमा सहित समस्त प्रोग्राम के विषम सेमेस्टर की संस्थागत/बैक के अर्ह छात्रों की परीक्षाएं नवम्बर माह में प्रस्तावित हैं। उक्त परीक्षा के लिए प्रथम सेमेस्टर छोड़कर आनलाईन परीक्षा फार्म में वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन करते हुए परीक्षाफार्म भरने के लिए कुलपति के आदेश के क्रम में पोर्टल 27 सितंबर 2024 से 07 अक्टूबर तक खोला जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर सहित सभी सम्बन्धित महाविद्यालय के छात्रों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा फार्म में माइनर एवं वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का चयन करके उसे समय के अन्तर्गत भरना सुनिश्चित करें।

साप्ताहिक शोध संवाद आयोजित करेगा डीडीयू का हिन्दी विभाग

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि का हिन्दी विभाग 'साप्ताहिक शोध संवाद' आरम्भ करने जा रहा है। यह कार्यक्रम सप्ताह के प्रत्येक अंतिम कार्य-दिवस को आयोजित किया जाएगा। इसमें हिन्दी विभाग के शोधार्थियों समेत परास्नातक के विद्यार्थी भी शामिल होंगे। यह संवाद विभाग के शिक्षकों की उपस्थिति में संपन्न होगा।

हिन्दी विभाग द्वारा यह कार्यक्रम मुख्य रूप से शोध की गुणवत्ता के साथ ही उसकी दशा व दिशा को भी ठीक करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है।

इस संवाद योजना की विशेष बात यह होगी कि इसमें शोधार्थी अपने विषय का चयन स्वयं करेंगे। उनके अपने शोध-विषय या अभिरुचि पर केंद्रित प्रस्तुति ही संवाद का आधार होगा।

विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश कुमार गुप्त ने कहा कि इससे विद्यार्थियों के अध्ययन-चिंतन में गहराई आएगी। तार्किक व प्रतिस्पर्धात्मक स्पंदन बढ़ेगा। विभाग का सांस्कृतिक वातावरण समृद्ध होगा।

Super Fast Times

आज डीडीयू में स्वतंत्रता संघर्ष पर होगा विमर्श,खुलेंगे इतिहास के बंद पन्ने

- इतिहास विभाग के सहयोग से संवाद भवन में आयोजित होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी
- आजादी की लड़ाई में 20 साल से कम उम्र के कितने लोगों को लगी थी गोली जानेंगे लोग

शाश्वत राम तिवारी
सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के भारतीय इतिहास और आजादी के आंदोलन से जुड़े हुए तथ्यों को लोगों के बीच लाने का बड़ा माध्यम बनने जा रहा है। लोग अभी तक तमाम तरह की ऐतिहासिक तथ्यों से अछूते हैं। बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) दिल्ली के द्वारा दिल्ली के बाहर देश में पहली बार आयोजित होने जा रहे हैं। इस आयोजन के माध्यम से वर्ष 1757 से लेकर आजादी मिलने तक देश में क्रांति की ज्वाला में कूदने वाले, ऐसे रणबान्कुरों भी यहां पहचान और वीरगति देखने और जानने को मिलेगी। जिनकी पहचान अभी तक छुपी हुई है। यही नहीं ऐसे वीर जिनकी उम्र अधिकतम 20 वर्ष थी और वह भी अंग्रेजों की गोलियों के शिकार हुए थे,जिन्हें आज तक कोई नहीं जानता वह भी इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में लगाई जाने वाली इतिहास एवं संकलन परिषद की चित्र और अभिलेखीय प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए जाएंगे। यह आयोजन इतिहास के ऐसे पन्नों को लोगों के सामने प्रस्तुत करने का कार्य करेगा। जो लोगों की सोच में बड़ा बदलाव लाने में सहायक होगा। आयोजन में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष,पद्मश्री राघवेंद्र तंवर भी शिरकत करेंगे।आयोजन के विशेष वक्ता के रूप में डॉ० केके मोहम्मद शामिल होंगे। डॉ० केके मोहम्मद ने आर्कियोलॉजी ऑफ रामायण और महाभारत पर विशेष कार्य किया है। यह सन 1972 से लेकर राम मंदिर निर्माण तक इसकी खुदाई और पुरातत्व प्रमाणिकता पर भी महत्वपूर्ण सुझाव और प्रमाण, राम मंदिर मसले को सुलझाने में अपनी भूमिका निभाई हैं। इसके अलावा हिमाचल दिल्ली गैंग कुरुक्षेत्र छपरा और आइजोल से भी तमाम इतिहास के विद्वान शामिल हो रहे हैं। सबसे खास बात इस आयोजन की यह है कि भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद अपने सभी क्रियाकलापों, प्रदर्शनियों को दिल्ली तक ही सीमित रखता था,लेकिन पहली बार देश के अगर किसी हिस्से में वह इतिहास से जुड़ी हुई तमाम जानकारियां को लोगों तक पहुंचाने के लिए बाहर निकाला है तो उसका केंद्र गोरखपुर और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय बना है। इतिहास में बदलाव और नई जानकारी के संबंध में प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी ने कहा कि यह पाठ्यक्रम का हिस्सा बने इस पर भी इतिहास अनुसंधान परिषद कार्य कर रहा है और सरकार तक अपनी बातें पहुंचाने में लगा है।

डीडीयू का हिंदी विभाग शुरू करेगा साप्ताहिक शोध संवाद

सुपर फास्ट टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग 'साप्ताहिक शोध संवाद' शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम सप्ताह के प्रत्येक अंतिम कार्य दिवस पर आयोजित किया जाएगा। इसमें हिंदी विभाग के शोधार्थियों के साथ परास्नातक के छात्र भी भाग लेंगे। विभाग के शिक्षकों की मौजूदगी में यह संवाद होगा। ज्ञान के उत्पादन, परिशोधन और परिष्कार में वाद-विवाद और संवाद की परंपरा पुरानी है। वर्तमान समय में शोध की गुणवत्ता को बनाए रखना बेहद जरूरी है। हिंदी विभाग की यह पहल शोध की गुणवत्ता के साथ-साथ उसकी दशा और दिशा को भी सीधे तौर पर निर्धारित करेगी। इससे संवाद में शामिल हर प्रतिभागी अपने अध्ययन में अपडेट रहेगा,शैक्षणिक माहौल मजबूत होगा और ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया को बल मिलेगा। इस संवाद योजना की खास बात यह होगी कि इसमें शोधार्थी अपना विषय खुद चुनेंगे। उनके अपने शोध विषय या रुचि पर केंद्रित प्रस्तुति ही संवाद का आधार होगी।

> इससे विद्यार्थियों का अध्ययन और चिंतन गहन होगा। तार्किक और प्रतिस्पर्धी भावना बढ़ेगी। विभाग का सांस्कृतिक वातावरण समृद्ध होगा।और संवाद में शामिल हर प्रतिभागी अपने अध्ययन में अपडेट रहेगा।
>
> **प्रो० कमलेश कुमार गुप्त, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग**